

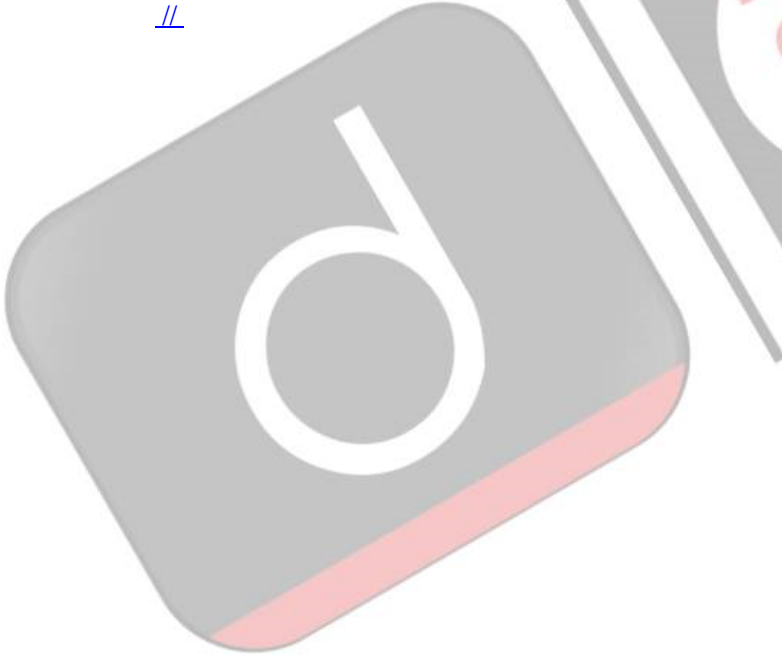
## अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दविस

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में रोकथाम, जागरूकता, शीघ्र नदिान और रोगियों के लिये गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के माध्यम से थैलेसीमिया से लड़ने हेतु हतिधारकों को एकजुट करने के लिये 8 मई को अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दविस मनाया गया।

- अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दविस 2024 की थीम, "जीवन को सशक्त बनाना, प्रगतिको गले लगाना: सभी के लिये न्यायसंगत और सुलभ थैलेसीमिया उपचार, (Empowering Lives, Embracing Progress: Equitable and Accessible Thalassaemia Treatment for All)" का फोकस उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करना है।
- अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दविस के दौरान रोग की व्यापकता को कम करने के साधन के रूप में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (Reproductive and Child Health- RCH) कार्यक्रम में अनिवार्य थैलेसीमिया परीक्षण के एकीकरण की आवश्यकता को बढ़ावा दिया गया।
  - RCH कार्यक्रम मातृ एवं शिशु मृत्यु दर तथा कुल प्रजनन दर में कमी के लिये RCH लक्ष्य प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (National Health Mission- NHM) के सहयोग से वर्ष 2005 में शुरू किया गया एक व्यापक फ्लैगशिप कार्यक्रम है।
- इस कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि भारत में लगभग 1 लाख थैलेसीमिया के रोगी हैं और प्रत्येक वर्ष लगभग 10,000 नए मामले सामने आते हैं। सामान्य जनसंख्या के मध्य थैलेसीमिया के वषिय में व्यापक जागरूकता बढ़ाना ज़रूरी है।

//



परिवार के सुख के लिये

# थैलेसीमिया से बचाव



## थैलेसीमिया क्या है?

- \* थैलेसीमिया मेजर एक गंभीर वंशानुगत बीमारी है।
- \* थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों में जन्म से ही रक्त नहीं बनता है तथा इन्हें जीवित रहने के लिये प्रतिमाह रक्त चढ़वाना पड़ता है।
- \* इस बीमारी का उपचार बहुत खर्चीला एवं कठिन है।



## थैलेसीमिया होने के कारण

- \* भारतवर्ष में 3% व्यक्ति थैलेसीमिया के संवाहक हैं।
- \* संवाहक स्वयं तो रोगी नहीं होते किन्तु उनके बच्चे में थैलेसीमिया से पीड़ित हो सकते हैं।
- \* यदि माता पिता दोनों ही थैलेसीमिया संवाहक हों तो थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त शिशु के जन्म होने की संभावना 25% होती है।



## थैलेसीमिया से बचाव के लिए

- \* गर्भधारण के पूर्व रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित करें कि आप थैलेसीमिया संवाहक हैं अथवा नहीं।
- \* यदि माता-पिता दोनों ही संवाहक हो तो गर्भस्थ शिशु की 10-12 सप्ताह में जाँच करके थैलेसीमिया से पीड़ित शिशु का जन्म रोका जा सकता है।
- \* विशेषज्ञों द्वारा यह जाँच सुविधा व सलाह अब देश के कई स्थानों पर उपलब्ध है।

करवायें थैलेसीमिया की जाँच, पायें उचित सलाह ।  
भावी समाज को दिखलायें थैलेसीमिया से मुक्ति की राह ॥

और पढ़ें: [सकिल सेल रोग और थैलेसीमिया के लिये कंसगेवी थेरेपी](#)